



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]

No. 83]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 22, 2008/ज्येष्ठ 1, 1930

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 2008/JYAISTHA 1, 1930

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 22 मई, 2008

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन)
विनियम, 2008

फा. सं. एलएडी-एनआरओ/जीएन/2008/10/126204.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 कहा जा सकेगा।
2. वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 में-

(i) विनियम 2 में,

(क) खण्ड (ज) के पश्चात् दिए हुए खण्ड के लिए, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(ट) "उप-लेखा" से भारत के बाहर निवासी कोई व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसकी ओर से विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता (निवेशक) द्वारा भारत में विनिधान (निवेश) किए जाने का प्रस्ताव किया जाता है और जो इन विनियमों के अधीन उप-लेखे के रूप में रजिस्ट्रीकृत है । "

(ख) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् -

"(2) इन विनियमों में उपयोग किए गए किन्तु अपरिभाषित, किन्तु अधिनियम में या कंपनी अधिनियम, 1956 में या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 में या निक्षेपागार अधिनियम, 1996 में या विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) या तदधीन बनाए गए नियमों तथा विनियमों के अधीन परिभाषित सभी अन्य शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो ऐसे अधिनियमों या नियमों या विनियमों या किसी कानूनी उपांतर या उनकी पुनःअधिनियमिति, यथास्थिति, में क्रमशः उनके लिए नियत हैं । "

(ii) विनियम 6 में, उप-विनियम (1) में -

(क) खण्ड (क) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किए जाएँगे, अर्थात् :-

"परंतु यह कि नयी स्थापित निधि के मामले में, निधि के विनिधान (निवेश) प्रबंधक जिसने निधि को स्थापित किया है के पिछले रिकॉर्ड को ध्यान में रखा जा सकेगा :

परंतु यह और कि ऐसा विनिधान प्रबंधक इसके खिलाफ की गई अनुशासनिक कार्रवाई, यदि कोई हो, की बाबत ब्यौरे देगा । "

(ख) खण्ड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"परंतु यह कि विश्वविद्यालय निधियों, विन्यासों, प्रतिष्ठानों, पूर्त न्यासों और पूर्त सोसाइटियों का विचार रजिस्ट्रीकरण के लिए किया जा सकेगा, भले ही वे विदेशी विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनियमित न हों."

(ग) खण्ड (घ) में, -

(क) उप-खण्ड (i-क) में, शब्दों "विदेशी सरकारी अभिकरण" के पश्चात् शब्द "प्रभुतासंपन्न (सॉवरिन) धन निधि" अंतःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उप-खण्ड (ii) में, शब्दों तथा अल्पविराम "नामनिर्देशिनी कंपनी," का लोप हो जाएगा ;

(ग) उप-खण्ड (iii) के लिए, निम्नलिखित उप-खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(iii) भारत के बाहर स्थापित और विस्तृत आधारीय निधियों तथा इसकी सांपत्तिक निधियों की ओर से भारत में विनिधान करने का प्रस्ताव करने वाले न्यास का न्यासी, यदि कोई हो, है;"

(घ) उप-खण्ड (iv) में, परंतुक में, पैरा (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित पैरा अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"(ङ) क्या आवेदक लोक हित में सेवारत रहा है । "

(ङ) स्पष्टीकरण में और उसके दूसरे परंतुक में, शब्दों "दस प्रतिशत" के लिए, जहाँ कहीं भी वे आते हों, शब्द "उनचास प्रतिशत" प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(च) स्पष्टीकरण में, दूसरे परंतुक में अंत में आने वाले शब्द "या" का लोप हो जाएगा ;

(iii) विनियम 8 के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"प्रमाणपत्र की विधिमान्यता

8. (1) अधिनियम, इन विनियमों के उपबंधों, उनके अधीन जारी परिपत्रों और इन विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान करने की बाध्यता के अनुपालन के अध्यधीन, -

(क) बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया कोई रजिस्ट्रीकरण स्थायी होगा जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए ;

(ख) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ से पूर्व बोर्ड द्वारा पहले से ही प्रदान किया गया कोई रजिस्ट्रीकरण स्थायी समझा जाएगा, जब तक कि बोर्ड द्वारा निलंबित या रद्द न कर दिया जाए ।

(2) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखा, उप-विनियम (1) के खण्ड (ख) में निर्दिष्ट प्रमाणपत्र रखने वाला, प्ररूप क या प्ररूप कक, यथास्थिति, में जानकारी दाखिल करेगा, प्रमाणपत्र की कालावधि की समाप्ति से कम से कम तीन मास पूर्व या ऐसे प्रारंभ से तीन मास के भीतर, जो भी पश्चात्पूर्ति हो ।

(3) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखा बोर्ड द्वारा इसको प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अभ्यर्पित कर सकेगा ।

(4) रजिस्ट्रीकरण के अभ्यर्पण को स्वीकार करते समय, बोर्ड विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखे पर ऐसी शर्तें अधिरोपित कर सकेगा जो यह ठीक समझे । "

(iv) विनियम 9 का लोप हो जाएगा ;

(v) विनियम 10 में, पार्श्व टिप्पण में शब्दों "का नवीकरण करने" और आरंभिक वाक्य में, शब्दों "या नवीकरण" का लोप हो जाएगा ;

(vi) विनियम 11 में, उप-विनियम (1) में, शब्दों "प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने" के पश्चात् आने वाले शब्दों "या नवीकरण" का लोप हो जाएगा ;

(vii) विनियम 12 में, उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"परंतु यह कि प्रस्तावित उप-लेखे, विदेशी निगम होते हुए, की ओर से रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने के पूर्व, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता आवश्यक ब्यौरों तथा दस्तावेजों का सत्यापन करेगा और अपने ग्राहक को जानिये से संबंधित अपनी प्रक्रियाओं को लागू करने के पश्चात् प्रस्तावित उप-लेखे की पहचान के बारे में स्वयं का समाधान करेगा ।"

(viii) विनियम 13 में -

(क) उप-विनियम (1) में, खण्ड (क) तथा (ख) और पश्चात्कथित खण्ड के परंतुक के लिए, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

"(क) आवेदक निम्नलिखित प्रवर्गों में से किसी प्रवर्ग में आता है, अर्थात्:-

(i) विस्तृत आधारीय निधि या संविभाग (पोर्टफोलियो) जो विस्तृत आधारीय, भारत के बाहर निगमित या स्थापित है ; या

(ii) रजिस्ट्रीकृत विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की सांपत्तिक निधि ; या

- (iii) विदेशी निगम ; या
- (iv) विदेशी व्यक्ति ; या
- (v) विश्वविद्यालय निधि, विन्यास, प्रतिष्ठान, पूर्ण न्यास या पूर्ण सोसाइटी जो इन विनियमों के अधीन विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के पात्र हैं ।

स्पष्टीकरण I : खण्ड (क) के प्रयोजनों के लिए,

(क) "विदेशी निगम" से निगमित निकाय, भारत के बाहर निगमित, अभिप्रेत है जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :-

- (i) इसकी प्रतिभूतियाँ भारत के बाहर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं ;
- (ii) इसका आस्ति आधार दो बिलियन अमरीकी डॉलर से कम का नहीं है ;
- (iii) इसका औसतन शुद्ध लाभ आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पचास मिलियन अमरीकी डॉलर से कम का नहीं था ।

(ख) "विदेशी व्यक्ति" से विदेशी अभिप्रेत है जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है :-

- (i) इसकी शुद्ध-मालियत पचास मिलियन अमरीकी डॉलर से कम की नहीं है ;
- (ii) आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम पाँच वर्षों की कालावधि के लिए विदेश का पासपोर्ट धारण करता है ;
- (iii) बैंक से अच्छी प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र धारण करता है ;
- (iv) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या किसी अन्य सत्ता (एंटीटी) जो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में एक ही समूह से संबंधित है का ग्राहक है, आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए ;

स्पष्टीकरण II : अनिवासी भारतीय उप-लेख के रूप में आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा ।

परंतु यह कि खण्ड (क) के स्पष्टीकरण I में अंतर्विष्ट कोई भी बात उप-लेख के प्रति लागू नहीं होगी जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ के पूर्व रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया था । "

(ख) खण्ड (खख) को खण्ड (ख) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जाएगा ।

(ix) विनियम 13 के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

"विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ताओं की जिम्मेदारी

13क. (1) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता अपने सभी उप-लेखों की सभी करण तथा लोप त्रुटियों और ऐसे उप-लेखों द्वारा इन विनियमों के अधीन उप-लेखों के रूप में उनकी हैसियत में किए गए अन्य कृत्यों तथा बातों के लिए जिम्मेदार और दायी होगा ।

(2) उप-विनियम (1) में अंतर्विष्ट किसी भी बात से इन विनियमों के अधीन या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन उप-लेखे की किसी जिम्मेदारी या दायित्व को कम करना नहीं समझा जाएगा ।

(3) उप-विनियम (1) का प्रभाव होगा, इस बात का विचार किए बिना कि विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता उप-लेखे की निधियों की बाबत स्वविवेक का प्रयोग करता है या नहीं । "

(x) विनियम 15 में -

(क) उप-विनियम, (1) में, खण्ड (ख) में, अंत में शब्द "सामूहिक विनिधान (निवेश) स्कीम द्वारा चालू की गई स्कीम की यूनिटों" अंतःस्थापित किए जाएंगे ।

(ख) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"(1क) जहाँ विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखा उस कंपनी में इक्विटी शेयरों को धारण करता है जिसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं हैं, और ऐसे शेयरों को आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव तथा उनकी सूचीबद्धता के पश्चात् धारण करना जारी रखता है, वहाँ ऐसे शेयर उसी कालावधि के लिए रुद्धता (लॉक-इन) के अधीन होंगे, यदि कोई हो, जो वैसी ही स्थिति में नियोजित विदेशी प्रत्यक्ष विनिधानकर्ता द्वारा धारित शेयरों की प्रति लागू है, तत्समय प्रवृत्त विदेशी प्रत्यक्ष विनिधान (निवेश) संबंधी केंद्रीय सरकार की नीति के अधीन ।

(1ख) उप-विनियम (1क) में अंतर्विष्ट कोई भी बात किसी अन्य विधि, विनियम या मार्गदर्शक सिद्धांत के लागू होने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं समझी जाएगी । "

- (xi) विनियम 15क के लिए, निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-
 "अपतटीय (ऑफशोर) व्युत्पन्नी लिखतों (डेरिवेटिव इंस्ट्रुमेंट्स) के निर्गमन के लिए शर्तें

15क. (1) कोई भी विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता, अपतटीय (ऑफशोर) व्युत्पन्नी लिखतें निर्गमित नहीं कर सकेगा, या अन्यथा में व्यौहार नहीं कर सकेगा, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, जब तक कि निम्नलिखित शर्तें पूरी नहीं कर ली जातीं :

- (क) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का निर्गमन केवल उन व्यक्तियों को किया जाता है जो समुचित विदेशी विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनियमित हैं ;
- (ख) ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का निर्गमन "अपने ग्राहक को जानिये" से संबंधित मानकों का अनुपालन करने के पश्चात् किया जाता है :

परंतु यह कि जहाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ पर, समुचित विदेशी विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनियमित व्यक्ति से भिन्न कोई व्यक्ति विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा या की ओर से निर्गमित अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें धारण कर रहा हो, तो वहाँ ऐसा विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें रद्द कर दिया जाता है, उनका मोचन कर दिया जाता है या उन्हें बंद कर दिया जाता है, मार्च 2009 के इक्कीसवें दिन के पूर्व ।

(2) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि समुचित विदेशी विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनियमित व्यक्ति से भिन्न किसी व्यक्ति को इसके द्वारा या इसकी ओर से निर्गमित किन्हीं अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का कोई निर्गमन या अंतरण नहीं किया जाता है ।

(3) कोई अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा या की ओर से अंडरलाइंग के रूप में भारत में किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में व्यापारयोग्य व्युत्पन्नियों के साथ निर्गमित नहीं की जाएंगी :

परंतु यह कि जहाँ कोई ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा या की ओर से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ से पूर्व निर्गमित की गयी थीं और ऐसे प्रारंभ पर बकाया हैं, तो उन्हें मार्च 2009 के इक्कीसवें दिन के पूर्व रद्द किया जाएगा या उनका मोचन कर दिया जाएगा या उन्हें बंद कर दिया जाएगा :

परंतु यह और कि विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा या की ओर से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ से पूर्व निर्गमित ऐसी अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों को ऐसे

प्रारंभ के पश्चात् उनकी समाप्ति पर नवीकृत किया जा सकेगा, ताकि नवीकरण की कालावधि मार्च 2009 के इक्कीसवें दिन से पूर्व समाप्त हो जाये।

(4) जहाँ सितम्बर 2007 के तीसवें दिन को विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखे द्वारा निर्गमित बकाया अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का कुल मूल्य उस तारीख को इसकी अभिरक्षाधीन आस्तियों (एसेट्स अंडर कस्टडी) के चालीस प्रतिशत से अधिक है, वहाँ आगे अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का निर्गमन केवल उन अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों के बदले किया जा सकेगा जिन्हें रद्द किया जाता है या जिनका मोचन किया जाता है या जिन्हें बंद कर दिया जाता है :

परंतु यह कि अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों के ऐसे आगे के निर्गमन के माध्यम से जुटायी गयी रकम अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों, जो रद्द की गई हों या जिनका मोचन किया गया हो या जिन्हें बंद कर दिया गया हो, की रकम से अधिक नहीं होगी :

परंतु यह और कि अतिरिक्त अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें उन इक्विटी शेयरों की बाबत आबंटित बोनस शेयरों के प्रति निर्गमित की जा सकेंगी जिनके प्रति अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें पहले ही से विद्यमान हैं :

(5) जहाँ सितम्बर 2007 के तीसवें दिन को विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखे द्वारा धारित प्रतिभूतियों के प्रति निर्गमित अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का कुल मूल्य उस तारीख को इसकी अभिरक्षाधीन आस्तियों के चालीस प्रतिशत से कम है, वहाँ बारह मास की किसी कालावधि में अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का आगे का निर्गमन इसकी अभिरक्षाधीन आस्तियों के कुल मूल्य के पाँच प्रतिशत से अधिक नहीं होगा :

परंतु यह कि ऐसा आगे का निर्गमन अभिरक्षाधीन आस्तियों के चालीस प्रतिशत से अधिक अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों के कुल मूल्य में परिणामित नहीं होगा।

(6) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ से ही, कोई भी उप-लेखा, प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः, अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों का निर्गमन नहीं करेगा :

परंतु यह कि उप-लेखे द्वारा प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निर्गमित अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतों, ऐसे प्रारंभ के पूर्व और ऐसे प्रारंभ पर बकाया, को मार्च 2009 के इक्कीसवें दिन के पूर्व रद्द कर दिया जाएगा या का मोचन कर दिया जाएगा या को बंद कर दिया जाएगा।

(7) जहाँ उप-लेखे द्वारा या की ओर से निर्गमित अपतटीय व्युत्पन्नी लिखतें सितम्बर 2007 के तीसवें दिन को बकाया हैं और विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए उप-लेखे द्वारा कदम उठा लिए गए हैं, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ की तारीख को, वहाँ उप-विनियम (4) और (5) तथा उनके परंतुक लागू होंगे मानों कि उप-लेखा उक्त तारीख को विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता था।

स्पष्टीकरण I : इस विनियम के प्रयोजन के लिए, -

- (i) 'अपतटीय व्युत्पन्नी लिखत' से कोई लिखत अभिप्रेत है, चाहे किसी भी नाम से पुकारी जाए, जो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा विदेश में इसके द्वारा धारित प्रतिभूतियों के प्रति निर्गमित की जाती है जो भारत में किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं, इसकी अंडरलाइंग के रूप में;
- (ii) 'अभिरक्षाधीन आस्तियाँ', किसी विशिष्ट तारीख को, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखे के संबंध में, से विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की आस्तियों का मूल्य अभिप्रेत है जो इसके अभिरक्षक की अभिरक्षा में हैं।

स्पष्टीकरण II : उप-विनियम (2) और उसके परंतुक के प्रयोजनों के लिए पद "समुचित विदेशी विनियामक प्राधिकरण द्वारा विनियमित व्यक्ति" से निम्नलिखित अभिप्रेत होगा और जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित होगा, अर्थात्:-

- (i) कोई व्यक्ति जो विदेशी केन्द्रीय बैंक द्वारा विनियमित / पर्यवेक्षित और अनुज्ञप्त / रजिस्ट्रीकृत है ;
- (ii) कोई व्यक्ति जो किसी विदेश या सरकार (स्टेट) में प्रतिभूतियों या फ्यूचर्स के विनियामक द्वारा रजिस्ट्रीकृत और विनियमित है ;
- (iii) भारत के बाहर निगमित या स्थापित कोई विस्तृत आधारीय निधि या संविभाग (पोर्टफोलियो) अथवा रजिस्ट्रीकृत विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की सांपत्तिक निधि अथवा विश्वविद्यालय निधि, विन्यास, प्रतिष्ठान, पूर्त न्यास या पूर्त सोसाइटी जिसके विनिधानों (निवेशों) का प्रबंध उपरोक्त खण्ड (i), या (ii) द्वारा समाविष्ट व्यक्ति द्वारा किया जाता है। "

(xii) पहली अनुसूची में -

(क) प्ररूप क और प्ररूप कक के लिए, निम्नलिखित प्ररूप प्रतिस्थापित किए जाएँगे, अर्थात् :-

पहली अनुसूची

प्ररूप

[प्ररूप क]

विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र
प्रदान करने के लिए आवेदन प्ररूप

[विनियम 3(2) देखें]

1. आवेदक के ब्यौरे :

1.1 आवेदक का नाम :

--

1.2 आवेदक का पता :

पता			
डाक का कोड		देश	
टेलीफोन सं.		फैक्स सं.	
वेब-साइट			

1.3 निगमन / स्थापना की तारीख :

1.4 निगमन का स्थान और देश :

स्थान		देश	
-------	--	-----	--

1.5 आवेदक का विधिक स्वरूप और विधि जिसके अधीन यह निगमित, स्थापित या रजिस्ट्रीकृत है, यदि कोई हो :

1.6 मुख्य क्रियाकलापों का संक्षिप्त विवरण :

1.7 ऐसे क्रियाकलापों के प्रारंभ की तारीख :

1.8 समूह का संक्षिप्त विवरण, यदि कोई हो, जिससे आवेदक संबंधित हो :

1.9 अनुपालना अधिकारी से संबंधित जानकारी :

नाम			
कार्य-पदनाम			
टेलीफोन सं.		फैक्स सं.	
ई-मेल			

2 आवेदक का प्रवर्ग

2.1 यदि आवेदक निधि है :

- | | |
|---|---|
| <input type="checkbox"/> पेंशन निधि | <input type="checkbox"/> विश्वविद्यालय निधि |
| <input type="checkbox"/> पारस्परिक निधि | <input type="checkbox"/> विन्यास |
| <input type="checkbox"/> विनिधान न्यास | <input type="checkbox"/> प्रतिष्ठान |
| <input type="checkbox"/> बैंक | <input type="checkbox"/> पूर्त न्यास |

- ☐ पूर्त सोसाइटी ☐ बीमा/पुनर्बीमा कंपनी
- ☐ विदेशी केन्द्रीय बैंक ☐ विदेशी सरकारी एजेंसी (अभिकरण)
- ☐ प्रभुतासंपन्न धन निधि ☐ अंतरराष्ट्रीय / बहुपक्षीय संगठन / एजेंसी
- ☐ विस्तृत आधारीय निधि (केवल यदि यह किसी अन्य प्रवर्ग पर खरा नहीं उतरता है)

(कृपया निधि के कॉर्पस, निधि में विनिधानकर्ताओं [निवेशकों] के सामान्य प्रकार और संख्या का कथन करें, निम्नलिखित फॉर्मेट में पृथक् उपाबंध में उनकी अपनी-अपनी आनुपातिक धारिताओं के साथ)

क्र.सं.	विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का सामान्य प्रकार	विनिधानकर्ताओं की संख्या	धारिता का प्रतिशत
निधि का कुल कॉर्पस			

2.2 यदि आवेदक निधि नहीं है :

- ☐ आस्ति प्रबंध कंपनी ☐ संस्थागत संविभाग प्रबंधक
- ☐ विनिधान प्रबंधक / सलाहकार ☐ न्यास का न्यासी

3. आवेदक का वर्गीकरण :

- ☐ 70:30 (इक्विटी: ऋण) ☐ 100% ऋण

4. विनियामक प्राधिकरण के ब्यौरे जिसके द्वारा आवेदक विनियमित है

4.1 संपर्क संबंधी ब्यौरे :

नाम			
देश		वेब-साइट	

4.2 रजिस्ट्रीकरण संख्या / कोड :

4.3 कृपया उन क्रियाकलापों का संक्षेप में उल्लेख करें जिन्हें आवेदक उपर्युक्त विनियामक प्राधिकरण द्वारा प्रदान किए गए रजिस्ट्रीकरण / लाइसेंस के अधीन करने के लिए अनुज्ञात है:

--

5. उन प्रस्तावित विनिधानों (निवेशों) के ब्यौरे जो भारतीय प्रतिभूति बाजारों में किए जाने हों :

5.1. उन विनिधानों का स्वरूप जो आवेदक द्वारा किए जाने हों :

☐ स्वयं की ओर से ☐ ग्राहक (ग्राहकों) / निधि (निधियों) की ओर से ☐ दोनों

5.2 ग्राहकों / निधियों की ओर किये जाने वाले विनिधानों (निवेशों) के मामले में, उनके ब्यौरे:

नाम	प्रवर्ग	देश

6. अनुशासनिक इतिहास

क्या प्रतिभूति विधियों, सदाचार / आचार संहिता, कारबार नियम संहिता के अतिक्रमण या अननुसरण का कोई दृष्टांत हुआ है, जिसके लिए आवेदक, या इसकी मूल / नियंत्री कंपनी या सहबद्ध आर्थिक या आपराधिक दायित्व के अध्यक्षीन रहा हो अथवा अपने प्रचालन करने से निलंबित किया गया हो अथवा रजिस्ट्रीकरण को प्रतिसंहत किया गया हो, अस्थायी रूप से या स्थायी रूप से।

☐ हाँ

☐ नहीं

यदि हाँ, तो कृपया उपाबंध में ब्यौरे दें :

7. नियुक्त देशी अभिरक्षक और अभिहित बैंक के ब्यौरे

7.1 देशी अभिरक्षक के ब्यौरे

नाम	
भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की रजिस्ट्रीकरण सं.	

7.2 अभिहित बैंक के ब्यौरे :

बैंक का नाम और शाखा	
पता	

8. भारतीय प्रतिभूति बाजार से पूर्व सहयोजन के ब्यौरे

8.1 क्या आवेदक किसी भी समय भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या उप-लेखे के रूप में रजिस्ट्रीकृत था ।

☐ हाँ

☐ नहीं

यदि हाँ, तो कृपया ब्यौरे उपलब्ध करायें :

सत्ता का नाम	के रूप में रजिस्ट्रीकृत	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की रजिस्ट्रीकरण सं.	रजिस्ट्रीकरण की कालावधि	
			से	तक

8.2 क्या आपका/आपके सहयुक्त या समूह कंपनी/कंपनियों में से कोई, जिनके कार्यालय भारत में हों, कभी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हुए हैं

☐ हाँ

☐ नहीं

यदि हाँ, तो कृपया ब्यौरे उपलब्ध करायें :

सत्ता का नाम	के रूप में रजिस्ट्रीकृत	भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की रजिस्ट्रीकरण सं.	रजिस्ट्रीकरण की कालावधि	
			से	तक

(कृपया पृथक् पन्ना संलग्न करें, इसी प्ररूप में, यदि यहाँ दिया गया स्थान पर्याप्त नहीं है)

9. घोषणा और वचन

हम यह घोषणा करते हैं कि :

- क. कोई परिसमापन आदेश आवेदक के खिलाफ पारित नहीं किये गये हैं ।
- ख. आवेदक को स्थायी रूप से वित्तीय क्षेत्र में क्रियाकलाप करने से निलंबित करते हुए या विवर्जित करते हुए कोई आदेश किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित नहीं किया गया है ;
- ग. आवेदक को कोई लाइसेंस / अनुमोदन प्रत्याहृत करते हुए या प्रदान करने से इंकार करते हुए कोई आदेश जो प्रतिभूति बाजार से संबंधित हो पूर्ववर्ती पाँच वर्षों में किसी प्राधिकरण द्वारा पारित नहीं किया गया है ;
- घ. किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा अधिरोपित कोई शास्ति (जिसमें आर्थिक शास्ति सम्मिलित है) भोगी गई है या संदत्त की गई है ।
- ङ. आवेदन में दी गई जानकारी, जिसमें संलग्नक पन्ने सम्मिलित हैं, संपूर्ण और सत्य है ।

वचन :

हम यह वचन देते हैं कि :

1. हम आवेदन में उपलब्ध करायी गई जानकारी में किसी परिवर्तन की सूचना तत्परता से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड और भारतीय रिज़र्व बैंक को देंगे ।
2. हम अधिनियम, और उसके अधीन जारी विनियमों के उपबंधों और समस्त अन्य सुसंगत विधियों जिनमें भारतीय रिज़र्व बैंक और भारत सरकार द्वारा जारी मार्गदर्शक सिद्धांत सम्मिलित हैं का अनुपालन करेंगे ।
3. हम ऐसे कार्यचालन संबंधी अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबंधों के अधीन समय-समय पर जारी किये जायें ।
4. हम अपने सभी उप-लेखों की सभी करण तथा लोप त्रुटियों और ऐसे उप-लेखों द्वारा इन विनियमों के अधीन किए गए अन्य कृत्यों तथा बातों के लिए जिम्मेदार और दायी होंगे, इस बात का विचार किये बिना कि क्या हमारे द्वारा स्वविवेक का प्रयोग उप-लेखों की बाबत किया गया है ।

आवेदक के लिए और की ओर से _____

प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता के हस्ताक्षर	
नाम	
पदनाम	
तारीख	तारीख/मास/वर्ष

नोट :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (भाप्रविबो) और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास आवेदक से इस आवेदन के संबंध में कोई और जानकारी माँगने का अधिकार आरक्षित है ।
2. आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत किये जाने चाहियें :

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड,
विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता एवं अभिरक्षक प्रभाग,
प्लॉट सं. सी4-ए, "जी" ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
मुंबई - 400051.

3. आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले दस्तावेज एवं लिखतें :
 - (i) संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद के अनुच्छेदों के सुसंगत खंड या आवेदक को इसके ग्राहकों की ओर से विनिधान करने के लिए प्राधिकृत करने वाले करार की प्रमाणित प्रति ।
 - (ii) पूर्व वित्तीय वर्ष के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण / वार्षिक रिपोर्ट, (समाविष्ट कालावधि बारह मास से कम नहीं होगी)
 - (iii) 'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड' के पक्ष में न्यूयॉर्क में संदेय 10,000 अमरीकी डॉलर का ड्राफ्ट ।

☒☒☒

प्ररूप कक

उप-लेख के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन प्ररूप

[विनियम 12(1) देखें]

1. आवेदक के ब्यौरे :

- 1.1 आवेदक का नाम और पता :

नाम			
पता			
डाक का कोड		देश	
टेलीफोन सं.		फैक्स सं.	

1.2 निगमन / स्थापना की तारीख :

1.3 निगमन / स्थापना का स्थान और देश :

स्थान		देश	
-------	--	-----	--

1.4 आवेदक का विधिक स्वरूप :

2. आवेदक का प्रवर्ग

2.1 कृपया आवेदक के सर्वाधिक समुचित प्रवर्ग का चयन करें :

- | | |
|--|---|
| <input type="checkbox"/> विस्तृत आधारीय निधि | <input type="checkbox"/> विस्तृत आधारीय संविभाग (पोर्टफोलियो) |
| <input type="checkbox"/> विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता | <input type="checkbox"/> विश्वविद्यालय निधि |
| की सांपत्तिक निधि | |
| <input type="checkbox"/> विदेशी निगम | <input type="checkbox"/> विन्यास |
| <input type="checkbox"/> प्रतिष्ठान | <input type="checkbox"/> पूर्त न्यास |
| <input type="checkbox"/> पूर्त सोसाइटी | <input type="checkbox"/> प्रभुतासंपन्न धन निधि |
| <input type="checkbox"/> विदेशी व्यक्ति (कृपया अपेक्षित जानकारी 2.4 में दें) | |

2.2. विस्तृत आधारीय निधि / विस्तृत आधारीय संविभाग (पोर्टफोलियो) के मामले में, कृपया गठन के संबंध में विनिर्दिष्ट करें :

- | | |
|---|--|
| <input type="checkbox"/> पारस्परिक निधि | <input type="checkbox"/> पेंशन निधि |
| <input type="checkbox"/> बीमा | <input type="checkbox"/> विनिधान न्यास |

☐ अन्य (केवल यदि यह किसी अन्य प्रवर्ग पर खरा नहीं
उतरता है):

(कृपया निधि के कॉर्पस, निधि में विनिधानकर्ताओं [निवेशकों] के सामान्य प्रकार और संख्या का कथन करें, निम्नलिखित फॉर्मेट में पृथक् उपाबंध में उनकी अपनी-अपनी आनुपातिक धारिताओं के साथ)

क्र.सं.	विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का सामान्य प्रकार	विनिधानकर्ताओं की संख्या	धारिता का प्रतिशत
निधि का कुल कॉर्पस			

2.3 विदेशी निगम के मामले में कृपया उस एक्सचेंज का / एक्सचेंजों के नाम विनिर्दिष्ट करें जहाँ आवेदक सूचीबद्ध है :

2.4 विदेशी व्यक्ति आवेदक के मामले में, कृपया आवेदक की राष्ट्रीयता और पासपोर्ट सं. विनिर्दिष्ट करें :

राष्ट्रीयता		पासपोर्ट सं.	
-------------	--	--------------	--

2.5 आवेदक का वर्गीकरण : ☐ 70:30 (इक्विटी: ऋण) ☐ 100% ऋण

2.6 यदि आवेदक विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की सांपत्तिक निधि के रूप में आवेदन कर रहा है, तो क्या ऐसी निधियों का विनिधान (निवेश) बहु-प्रबंधित संरचना के माध्यम से किया जाएगा ?

☐ हाँ

☐ नहीं

3. कराधान प्राधिकरण के ब्यौरे

3.1 उस कर प्राधिकरण का नाम और पता जहाँ आवेदक कराधान के अध्यक्षीन है :

3.2 विशिष्ट कराधान-पहचान/संख्या (यदि कोई हो):

4. भारत में नियुक्त देशी अभिरक्षक और अभिहित बैंक के ब्यौरे

4.1 देशी अभिरक्षक के ब्यौरे :

नाम	
-----	--

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की रजिस्ट्रीकरण सं.	
--	--

4.2 अभिहित बैंक के ब्यौरे :

बैंक का नाम और शाखा	
पता	

5. विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा दी जाने वाली घोषणा

क. हम यह घोषणा करते हैं कि :

क. कोई परिसमापन आदेश आवेदक के खिलाफ पारित नहीं किये गये हैं ।

ख. आवेदक को स्थायी रूप से वित्तीय क्षेत्र में क्रियाकलाप करने से निलंबित करते हुए या विवर्जित करते हुए कोई आदेश किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा पारित नहीं किया गया है ;

ग. आवेदक को कोई लाइसेंस / अनुमोदन प्रत्याहृत करते हुए या प्रदान करने से इंकार करते हुए कोई आदेश जो प्रतिभूति बाजार से संबंधित हो पूर्ववर्ती पाँच वर्षों में किसी प्राधिकरण द्वारा पारित नहीं किया गया है ;

घ. किसी विनियामक प्राधिकरण द्वारा अधिरोपित कोई शास्ति (जिसमें आर्थिक शास्ति सम्मिलित है) भोगी गई है या संदत्त की गई है ।

ख. यदि उप-लेखा आवेदक विदेशी निगम है :

क) इसकी प्रतिभूतियाँ भारत के बाहर स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं ;

ख) इसका आस्ति आधार दो बिलियन अमरीकी डॉलर से कम का नहीं है ;

ग) इसका औसत शुद्ध लाभ आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती तीन वित्तीय वर्षों के दौरान पचास मिलियन अमरीकी डॉलर से कम का नहीं है,

या

यदि उप-लेखा आवेदक विदेशी व्यक्ति है :

क) इसकी शुद्ध-मालियत पचास मिलियन अमरीकी डॉलर से कम की नहीं है ;

ख) आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम पाँच वर्षों की कालावधि के लिए विदेश का पासपोर्ट धारण करता है ;

- ग) बैंक से अच्छी प्रतिष्ठा का प्रमाणपत्र धारण करता है ;
 घ) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता या किसी अन्य सत्ता जो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में एक ही समूह से संबंधित है का ग्राहक है, आवेदन की तारीख से पूर्ववर्ती कम से कम तीन वर्षों की कालावधि के लिए ;

6. वचन

क. विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले वचन

- (i) यदि उप-लेखा आवेदक विस्तृत आधारीय निधि है :
 "हम वचन देते हैं कि _____ (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का नाम) की सांपत्तिक निधियों का विनिधान _____ (उप-लेखा आवेदक का नाम) के माध्यम से नहीं किया जायेगा।"

या

- (ii) यदि उप-लेखा आवेदक विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की सांपत्तिक निधि है :
 "हम वचन देते हैं कि केवल _____ (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का नाम) की सांपत्तिक निधियों का विनिधान _____ (उप-लेखा आवेदक का नाम) के माध्यम से किया जायेगा।"

(कृपया उसे काट दें जो लागू नहीं है)

ख. अतिरिक्त घोषणा और वचन :

1. हम यह भी घोषणा करते हैं कि :

क. विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता जिसके माध्यम से उप-लेखे के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है, उप-लेखे की ओर से विनिधान (निवेश) करने के लिए प्राधिकृत है ;

ख. आवेदक की आय ज्ञात और विधिसम्मत स्रोतों से है ;

ग. आवेदक अनिवासी भारतीय नहीं है ;

घ. विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता जिसके माध्यम से उप-लेखे के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है, इस उप-लेखे की सभी करण तथा लोप त्रुटियों और ऐसे उप-लेखों द्वारा इन विनियमों के अधीन किए गए अन्य कृत्यों तथा बातों के लिए जिम्मेदार और दायी होगा, इस बात का विचार किये बिना कि उप-लेखे की बाबत विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता द्वारा स्वविवेक का प्रयोग किया जाता है या नहीं।

ङ. विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता की उपर्युक्त बाध्यता से, हालाँकि, किसी जिम्मेदारी या दायित्व को कम करना नहीं समझा जाएगा जो उप-लेखा बोर्ड द्वारा बनाए गए विनियमों के अधीन या भारत में तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन उपगत करेगा।

2. हम एतद्वारा सहमत होते हैं और घोषणा करते हैं कि ऊपर उपलब्ध करायी गई जानकारी और दिए गए वचन संपूर्ण और सत्य हैं।
3. हम यह भी वचन देते हैं कि हम उपलब्ध करायी गई जानकारी में किसी परिवर्तन की सूचना तुरंत भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड और भारतीय रिज़र्व बैंक को देंगे।

<p>_____</p> <p>उप-लेखा आवेदक का प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता</p>		<p>_____</p> <p>विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता का प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता</p>	
नाम:		नाम:	
तारीख:		तारीख:	

नोट:

1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (भाप्रविबो) और भारतीय रिज़र्व बैंक के पास आवेदन से उसके आवेदन के संबंध में कोई और जानकारी मँगाने का अधिकार आरक्षित है।
2. आवेदन आवश्यक दस्तावेजों के साथ निम्नलिखित पते पर प्रस्तुत किये जाने चाहियें :

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड,
विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता एवं अभिरक्षक प्रभाग,
प्लॉट सं. सी4-ए, "जी" ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
मुंबई - 400051.
भारत

(ख) प्ररूप ख में, मद III "यह प्रमाणपत्र तब तक विधिमान्य होगा जब तक यह विनियमों के अनुसार निलंबित या रद्द नहीं हो जाता" से प्रतिस्थापित हो जाएगी ;

(xiii) दूसरी अनुसूची में, पैरा (2) तथा (2क) के लिए, निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

"(2) रजिस्ट्रीकृत विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता रजिस्ट्रीकरण प्रदान किये जाने के पश्चात् तीन वर्षों के प्रत्येक ब्लॉक के लिए 10,000 अमरीकी डॉलर की फीस का भुगतान करेगा जिसके दौरान रजिस्ट्रीकरण अस्तित्व में रहता है।

(2क) पैरा (2) में उल्लिखित फीस का भुगतान तीन वर्षों की कालावधि की समाप्ति के कम से कम एक मास पूर्व किया जाएगा।

(2ख) उस विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के मामले में जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2008 के प्रारंभ पर रजिस्ट्रीकृत था, पैरा (2) के प्रयोजनों के लिए तीन वर्षों के ब्लॉकों की गणना उस तारीख से की जाएगी जो उस तारीख से तीन वर्ष पूर्व की है जिस तारीख को ऐसे प्रारंभ के पूर्व इसको प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण या नवीकरण समाप्त हो गया होता, अगर ऐसा प्रारंभ न होता।

(2ग) विनियम 12 के अधीन किए गए उप-लेखों के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के साथ 2,000 अमरीकी डॉलर की फीस संलग्न की जाएगी।

(2घ) रजिस्ट्रीकृत उप-लेखा तीन वर्षों के प्रत्येक ब्लॉक के लिए 2,000 अमरीकी डॉलर की फीस का भुगतान करेगा जिसके लिए विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता जिसके माध्यम से यह भारतीय प्रतिभूति बाजार में विनिधान करता है पैरा (2) के अधीन फीस का भुगतान करता है।

(2ङ) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता पैरा (2क) में उल्लिखित कालावधि के भीतर इसके सभी उप-लेखों द्वारा संदेय फीस को एकत्र करेगा और का भुगतान करेगा।"

सी. बी. भावे, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/69-जैडबी/2008/असा.]

11/एलसी/जीएन/2007/31/12/2007, द्वारा

पाद टिप्पण :

1. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995, का.आ. सं. 918(अ), 14 नवम्बर, 1995 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था।
2. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 तत्पश्चात् -
 - क. 9 अक्टूबर, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 702(अ), द्वारा
 - ख. 19 नवम्बर, 1996 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 799(अ), द्वारा
 - ग. 12 फरवरी, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 105(अ), द्वारा
 - घ. 10 जुलाई, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 495(अ), द्वारा
 - ङ. 5 दिसम्बर, 1997 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 823(अ), द्वारा

- च. 20 अप्रैल, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 333(अ), द्वारा
- छ. 18 मई, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 417(अ), द्वारा
- ज. 30 जून, 1998 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 545(अ), द्वारा
- झ. 16 अप्रैल, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 263(अ), द्वारा
- ञ. 26 अगस्त, 1999 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 688(अ), द्वारा
- ट. 29 फरवरी, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 180(अ), द्वारा
- ठ. 28 मार्च, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण को अपील) (संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 278(अ), द्वारा
- ड. 20 अक्टूबर, 2000 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2000, का.आ. सं. 946(अ), द्वारा
- ढ. 13 फरवरी, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 128(अ), द्वारा
- ण. 29 मई, 2001 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्तियों द्वारा विनिधान सलाह) (संशोधन) विनियम, 2001, का.आ. सं. 476(अ), द्वारा
- त. 27 सितम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002, का.आ. सं. 1045(अ), द्वारा
- थ. 10 दिसम्बर, 2002 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2002, सं. का.आ. 1292 (अ), द्वारा
- द. 14 मई, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 548 (अ), द्वारा
- ध. 28 अगस्त, 2003 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003, सं. का.आ. 990 (अ), द्वारा
- न. 27 जनवरी, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2004, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/19023/2004, द्वारा
- प. 19 फरवरी, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2004, फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/3349/2004, द्वारा
- फ. 10 मार्च, 2004 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004, का.आ. सं. 398 (अ), द्वारा

- ब. 26 जून, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. सं. 948 (अ), द्वारा
- भ. 21 अगस्त, 2006 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2006, का.आ. 1332 (अ), द्वारा
- म. 9 जनवरी, 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2007, सं. भा.प्र.वि.बो./विकावि/नीप्र/1446/2007, द्वारा
- य. 31 दिसम्बर, 2007 को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2007, फा.सं. 11/एलसी/जीएन/2007/31/12/2007, द्वारा

/सीएन/

संशोधित हुआ था।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 22nd May, 2008

Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008

F. No. LAD-NRO/GN/2008/10/126204.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following Regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995, namely:—

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 –
 - (i) in regulation 2,
 - (a) for clause (k), the following clause shall be substituted, namely:-
“(k) “sub-account” means any person resident outside India, on whose behalf investments are proposed to be made in India by a foreign institutional investor and who is registered as a sub-account under these regulations.”
 - (b) after sub-regulation (1), the following sub-regulation shall be inserted, namely-
“(2) All other words and expressions used but not defined in these regulations, but defined in the Act or in the Companies Act, 1956 or in Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 or in the Depositories Act, 1996 or under the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) or the Rules and the Regulations made thereunder shall have the same meanings respectively assigned to them in such Acts or the Rules or the Regulations or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.”
 - (ii) in regulation 6, in sub-regulation (1) -
 - (a) after clause (a), the following provisos shall be inserted, namely:-
“Provided that in case of a newly established fund, the track record of the investment manager of the fund who has promoted it may be taken into consideration:

Provided further that such investment manager shall furnish the details in respect of disciplinary action, if any, taken against it.”

(b) after clause (b), the following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that university funds, endowments, foundations, charitable trusts and charitable societies may be considered for registration even though they are not regulated by a foreign regulatory authority;”

(c) in clause (d), -

(A) in sub-clause (ia), after the words ‘Foreign Governmental Agency’ the words ‘Sovereign Wealth Fund’ shall be inserted;

(B) in sub-clause (ii), the words and comma “nominee company,” shall be omitted;

(C) for sub-clause (iii), the following sub-clause shall be substituted, namely:-

“(iii) a trustee of a trust established outside India and proposing to make investments in India on behalf of broad based funds and its proprietary funds, if any;”

(D) in sub-clause (iv), in proviso, after para (d), the following para shall be inserted, namely:-

“(e) whether the applicant has been serving public interest.”

(E) in the Explanation and in the second proviso thereto, for the words ‘ten per cent.’ wherever they occur, the words ‘forty nine per cent.’ shall be substituted;

(F) in the Explanation, in the second proviso the word “or” occurring at the end shall be omitted;

(iii) for regulation 8, the following regulation shall be substituted, namely :-

“Validity of certificate.

8. (1) Subject to the compliance of the provisions of the Act, these regulations, the circulars issued thereunder and the obligation to pay fees as specified in these regulations, -

(a) any registration granted by the Board shall be permanent unless suspended or cancelled by the Board;

(b) any registration already granted by the Board prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008 shall be deemed to be permanent, unless suspended or cancelled by the Board.

(2) A foreign institutional investor or a sub-account, having a certificate referred to in clause (b) of sub-regulation (1) shall file information in Form A or Form AA, as the case may be, at least three months prior to the expiry of period of certificate or within three months from such commencement, whichever is later.

(3) A foreign institutional investor or a sub account may surrender the certificate of registration granted to it by the Board.

(4) While accepting a surrender of registration, the Board may impose such conditions upon the foreign institutional investor or the sub account as it deems fit.”

(iv) regulation 9 shall be omitted;

(v) in regulation 10, in the marginal note and in the opening sentence, the words ‘or renewal’ wherever they occur shall be omitted;

(vi) in regulation 11, in sub-regulation (1), the words ‘or renewal’ occurring after the words “for grant” shall be omitted;

- (vii) in regulation 12, after sub-regulation (1), the following provisos shall be inserted, namely:-

“Provided that before making an application for registration on behalf of a proposed sub-account being a foreign corporate, the foreign institutional investor shall verify the necessary details and documents and satisfy itself about the identity of the proposed sub-account after applying its know your client procedure”

- (viii) in regulation 13 –

- (a) in sub-regulation (1), for clauses (a) and (b) and the proviso to the latter clause, the following shall be substituted, namely:-

“(a) the applicant falls into any of the following categories, namely:-

- (i) broad based fund or portfolio which is broad based, incorporated or established outside India; or
- (ii) proprietary fund of a registered foreign institutional investor; or
- (iii) foreign corporate; or
- (iv) foreign individual; or
- (v) university fund, endowment, foundation, charitable trust or charitable society who are eligible to be registered as a foreign institutional investor under these regulations.

Explanation I: For the purposes of clause (a),

(A) “foreign corporate” means a body corporate incorporated outside India which fulfills the following conditions:-

- (i) its securities are listed on a stock exchange outside India;
- (ii) it has asset base of not less than two billion US dollars;
- (iii) it had an average net profit of not less than fifty million US dollars during the three financial years preceding the date of the application.

(B) “foreign individual” means a foreigner who fulfills the following conditions:-

- (i) has a networth of not less than fifty million US dollars;
- (ii) holds the passport of a foreign country for a period of at least five years preceding the date of application;
- (iii) holds a certificate of good standing from a bank;
- (iv) is the client of the foreign institutional investor or any other entity which belongs to the same group as the foreign institutional investor, for a period of at least three years preceding the date of the application:

Explanation II: Non-resident Indian shall not be eligible to apply as sub-account;

Provided that nothing contained in the Explanation I to clause (a) shall apply to a sub-account which was granted registration prior to commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008.”

- (b) clause (bb) shall be renumbered as clause (b).

- (ix) after regulation 13, the following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“Responsibility of foreign institutional investors

13A. (1) A foreign institutional investor shall be responsible and liable for all acts of commission and omission of all its sub-accounts and other deeds and things done by such sub-accounts in their capacity as sub-accounts under these regulations.

(2) Nothing contained in sub-regulation (1) shall be deemed to detract from any responsibility or liability of the sub-account under these regulations or under any other law for the time being in force.

(3) Sub-regulation (1) shall have effect irrespective of whether the foreign institutional investor exercises discretion in respect of funds of the sub-account or not."

(x) in regulation 15 -

(a) in sub-regulation (1), in clause (b), the words "units of scheme floated by a Collective Investment Scheme" shall be inserted towards the end.

(b) after sub-regulation (1), the following sub-regulations shall be inserted, namely:-

"(1A) Where a foreign institutional investor or sub-account holds equity shares in a company whose shares are not listed on any recognised stock exchange, and continues to hold such shares after initial public offering and listing thereof, such shares shall be subject to lock-in for the same period, if any, as is applicable to shares held by a foreign direct investor placed in similar position, under the policy of the Central Government relating to foreign direct investment for the time being in force.

(1B) Nothing contained in sub-regulation (1A) shall be deemed to prejudice the applicability of any other law, regulation or guideline."

(xi) for regulation 15A, the following regulation shall be substituted, namely:-

"Conditions for issuance of offshore derivative instruments

15A. (1) No foreign institutional investor may issue, or otherwise deal in offshore derivative instruments, directly or indirectly, unless the following conditions are satisfied:

(a) such offshore derivative instruments are issued only to persons who are regulated by an appropriate foreign regulatory authority;

(b) such offshore derivative instruments are issued after compliance with 'know your client' norms:

Provided that where at the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008, any person other than a person regulated by an appropriate foreign regulatory authority is holding offshore derivative instruments issued by or on behalf of the foreign institutional investor, such foreign institutional investor shall ensure that they are cancelled, redeemed or closed out, before the thirty first day of March, 2009.

(2) A foreign institutional investor shall ensure that no further issue or transfer is made of any offshore derivative instruments issued by or on behalf of it to any person other than a person regulated by an appropriate foreign regulatory authority.

(3) No offshore derivative instruments shall be issued by or on behalf of a foreign institutional investor with derivatives tradable on any recognised stock exchange in India as underlying:

Provided that where any such offshore derivative instruments had been issued prior to the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008 by or on behalf of a foreign institutional investor and are outstanding at such commencement, they shall be cancelled or redeemed or closed out before the thirty first day of March 2009:

Provided further that such offshore derivative instruments issued before the commencement of the Securities and Exchange Board of India

(Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008 by or on behalf of a foreign institutional investor may be renewed upon their expiry after such commencement, so that the period of renewal ends before the thirty first day of March 2009.

(4) Where the total value of outstanding offshore derivative instruments issued by a foreign institutional investor or a sub-account as on the thirtieth day of September 2007 is more than forty per cent. of its assets under custody as on that date, further offshore derivative instruments may be issued only in lieu of offshore derivative instruments which are cancelled or redeemed or closed out:

Provided that the amount raised through such further issuance of offshore derivative instruments shall not exceed the amount of offshore derivative instruments cancelled or redeemed or closed out:

Provided further that additional offshore derivative instruments may be issued against the bonus shares allotted in respect of the equity shares against which offshore derivative instruments are already in existence.

(5) Where the total value of offshore derivative instruments issued against securities held by a foreign institutional investor or a sub-account as on the thirtieth day of September 2007 is less than forty per cent. of its assets under custody as on that date, further issuance of offshore derivative instruments in any period of twelve months shall not exceed five per cent. of the total value of its assets under custody:

Provided that such further issuance shall not result in the total value of offshore derivative instruments exceeding forty per cent. of the assets under custody.

(6) On and from the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008, no sub-account shall, directly or indirectly, issue offshore derivative instruments:

Provided that offshore derivative instruments issued directly or indirectly by a sub-account, before such commencement and outstanding as at such commencement shall be cancelled or redeemed or closed out before the thirty first day of March 2009.

(7) Where offshore derivative instruments issued by or on behalf of a sub-account are outstanding as on the thirtieth day of September 2007 and steps have been taken by the sub-account to obtain registration as a foreign institutional investor as on the date of commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008, sub-regulations (4) and (5) and the provisos thereto shall apply as if the sub-account were a foreign institutional investor on the said date.

Explanation I: For the purpose of this regulation, -

- (i) 'offshore derivative instrument' means any instrument, by whatever name called, which is issued overseas by a foreign institutional investor against securities held by it that are listed or proposed to be listed on any recognised stock exchange in India, as its underlying;
- (ii) 'assets under custody' on a particular date, in relation to a foreign institutional investor or a sub-account, means the value of assets of the foreign institutional investor which are in custody of its custodian.

Explanation II: For the purposes of sub-regulation (2) and the proviso thereto, the expression 'person regulated by an appropriate foreign regulatory authority' means and includes the following, namely:-

- (i) any person that is regulated/supervised and licensed/registered by a foreign central bank;
 - (ii) any person that is registered and regulated by a securities or futures regulator in any foreign country or state;
 - (iii) any broad based fund or portfolio incorporated or established outside India or proprietary fund of a registered foreign institutional investor or university fund, endowment, foundation, charitable trust or charitable society whose investments are managed by a person covered by clauses (i), or (ii) above."
- (xii) in the First Schedule-
- (a) for Form A and Form AA, the following Forms shall be substituted, namely-

FIRST SCHEDULE

FORMS

[FORM A]

Application Form for Grant of Certificate of Registration as Foreign Institutional Investor(FII)

[See regulation 3(2)]

1. Details of the Applicant:

1.1 Name of the applicant:

--

1.2 Address of the Applicant:

Address			
Postal Code		Country	
Telephone No.		Fax No	
Web-site			

1.3 Date of incorporation/establishment:

--

1.4 Place and Country of Incorporation:

Place		Country	
-------	--	---------	--

1.5 Legal form of the applicant and the law, under which it is incorporated, established or registered, if any:

--

1.6 Brief description of the principal activities:

--

1.7 Date of commencement of such activities:

--

1.8 Brief description of the group, if any, to which the applicant belongs:

--

1.9 Information pertaining to Compliance Officer:

Name			
Job Title			
Telephone no		Fax No	
E-mail id			

2 Category of the applicant

2.1 If the applicant is a fund:

- | | |
|--|---|
| <input type="checkbox"/> Pension Fund | <input type="checkbox"/> University fund |
| <input type="checkbox"/> Mutual Fund | <input type="checkbox"/> Endowment |
| <input type="checkbox"/> Investment Trust | <input type="checkbox"/> Foundation |
| <input type="checkbox"/> Bank | <input type="checkbox"/> Charitable Trust |
| <input type="checkbox"/> Charitable society | <input type="checkbox"/> Insurance/Reinsurance Company |
| <input type="checkbox"/> Foreign Central Bank | <input type="checkbox"/> Foreign Governmental Agency |
| <input type="checkbox"/> Sovereign Wealth Fund | <input type="checkbox"/> International/Multilateral organization/agency |
| <input type="checkbox"/> Broad Based Fund (only if it does not satisfy any other category) | |

(Please state the corpus of the fund, Generic type and Number of investors in the fund along with their respective proportionate holdings in a separate annexure in the following format)

Sr. No.	Generic Type of Investors	No. of Investors	Percentage of Holding
Total Corpus of the Fund			

2.2 If the applicant is not a fund:

- ☐ Asset Management Company
 ☐ Institutional Portfolio Manager
☐ Investment Manager/Advisor
 ☐ Trustee of a Trust

3. Classification of the applicant:

- ☐ 70:30 (Equity: Debt)
 ☐ 100% Debt

4. Details of Regulatory authority by which the applicant is regulated

4.1 Contact details:

Name			
Country		Web-site	

4.2 Registration Number/Code:

4.3 Please mention briefly the activities which the applicant is permitted to undertake under the registration/license granted by the above regulatory authority:

5. Details of Proposed Investments to be made in Indian Securities markets:

5.1. Nature of Investments to be made by the applicant:

- ☐ On behalf of Self
 ☐ On behalf of client(s)/fund(s)
 ☐ Both

5.2 In case of investments being made on behalf of clients/ funds, details of the same:

Name	Category	Country

6. Disciplinary History

Whether there has been any instance of violation or non-adherence to the securities laws, code of ethics/conduct, code of business rules, for which the applicant, or its parent / holding company or affiliate may have been subjected to economic or criminal liability or suspended from carrying out its operations or the registration, has been revoked, temporarily or permanently.

☐ Yes

☐ No

If yes, please furnish details in annexure

7. Details of the domestic custodian and designated bank appointed

7.1 Details of the domestic custodian

Name	
SEBI Reg. No.	

7.2 Details of designated bank:

Name of the Bank and Branch	
Address	

8. Details of prior association with the Indian securities market.

8.1 Whether the applicant was anytime registered as FII or Sub account with Securities and Exchange Board of India.

☐ Yes

☐ No

If yes, then please provide details:

Name of the entity	Registered as	SEBI Registration No.	Period of registration	
			From	To

8.2 Whether any of your associate/s or group company/s, having office in India, have ever been registered with Securities and Exchange Board of India

☐ Yes

☐ No

If yes, then please provide details:

Name of the entity	Registered as	SEBI Registration No.	Period of registration	
			From	To

(Please attach separate sheet, in the same format, if the space provided here is not sufficient)

9. Declaration and Undertaking

We declare that:

- No winding up orders have been passed against the applicant.
- no order suspending or debarring the applicant from permanently carrying on activities in the financial sector has been passed by any regulatory authority;
- no order withdrawing or refusing to grant any license/approval to the applicant which has a bearing on the securities market has been passed by any authority in the preceding five years;
- any penalty imposed (including monetary penalty) by any regulatory authority has been undergone or paid.
- the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

Undertaking:

We undertake to:

- notify the Securities and Exchange Board of India and the Reserve Bank of India of any change in the information provided in the application promptly.
- comply with the provisions of the Act, and regulations issued there under and all other relevant laws including guidelines issued by the Reserve Bank of India and the Government of India.
- abide by operational instructions/ directives as may be issued by Securities and Exchange Board of India and by the Reserve Bank of India from time to time under provisions of the Act or any other law for the time being in force.
- be held responsible and liable for all acts of commission and omission of all its sub-accounts and other deeds and things done by such sub accounts under these regulations, irrespective of whether discretion is exercised by us in respect of the sub-account.

For and on behalf of applicant _____

Signature of Authorized Signatory	
Name	
Designation	
Date	20/11/20

Notes:

1. Securities and Exchange Board of India (SEBI) and Reserve Bank of India (RBI) reserve the right to call for any further information from the applicant regarding this application.
2. Applications along with necessary documents should be submitted at:

Securities and Exchange Board of India,

Division of Foreign Institutional Investors & Custodians,

Plot No. C4-A, "G" Block,

Bandra Kurla Complex,

Mumbai-400051.

3. Documents & Instruments to be enclosed with the application:

- (i) Certified copy of the relevant clause of Articles of the Memorandum and Articles of Association or the agreement authorizing the applicant to invest on behalf of its clients.
- (ii) Audited financial statements/ annual report for the previous financial year, (period covered shall not be less than twelve months)
- (iii) Draft of US \$ 10,000 in favor of 'Securities and Exchange Board of India' payable in

New York.

☒☒☒

Form AA**Application Form for Grant of Certificate of Registration as Sub-account****[See regulation 12(1)]****1. Details of the applicant:****1.1 Name and Address of the applicant:**

Name			
Address			
Postal Code		Country	
Telephone no		Fax No	

1.2 Date of incorporation/establishment

--

 :
1.3 Place and Country of Incorporation/ establishment:

Place		Country	
-------	--	---------	--

1.4 Legal form of the applicant :

--

2. Category of the applicant**2.1 Please select the most appropriate category of the applicant:**☐ Broad Based Fund☐ Broad Based Portfolio☐ Proprietary fund of the FII☐ University Fund☐ Foreign Corporate☐ Endowment☐ Foundation☐ Charitable Trust☐ Charitable Society☐ Sovereign Wealth Fund☐ Foreign Individual (Please furnish requisite information in 2.4)

1877 GI/08-6

2.2. In case of broad based fund / broad based Portfolio, please specify the constitution:

☐ Mutual Fund

☐ Pension Fund

☐ Insurance

☐ Investment Trust

☐ Others (only if it does not satisfy any other category):

(Please state the corpus of the fund, Generic type and Number of investors in the fund along with their respective proportionate holdings in a separate annexure in the following format)

SrNo.	Generic Type of Investors	No. of Investors	Percentage of Holding
Total Corpus of the Fund			

2.3 In case of Foreign Corporate please specify the name of the Exchange/s where the applicant is listed:

2.4 In case of an Foreign Individual applicant, please specify the nationality and passport no. of the applicant:

Nationality		Passport No.	
-------------	--	--------------	--

2.5 Classification of the applicant: ☐ 70:30 (Equity: Debt) ☐ 100% Debt

2.6 If the applicant is applying as a Proprietary fund of the FII, whether such funds would be invested through Multi-Managed Structure?

☐ Yes

☐ No

3. Details of the taxation authority

3.1 Name and Address of the tax Authority where the applicant is subject to taxation:

3.2 Unique Taxation-Id/Number (if any):

4. Details of domestic custodian and designated bank appointed in India

4.1 Details of the domestic custodian:

Name	
SEBI Reg. No.	

4.2 Details of designated bank:

Name of the Bank & Branch	
Address	

5. Declaration to be furnished by the Foreign Institutional Investor**A. We declare that:**

- a) no winding up orders have been passed against the applicant.
- b) no order suspending or debarring the applicant from permanently carrying on activities in the financial sector has been passed by any regulatory authority;
- c) no order withdrawing or refusing to grant any license/approval to the applicant which has a bearing on the securities market has been passed by any authority in the preceding five years;
- d) any penalty imposed (including monetary penalty) by any regulatory authority has been undergone or paid.

B. In case the sub-account applicant is a Foreign Corporate:

- a) its securities are listed on a stock exchange outside India;
- b) it has a asset base of not less than two billion US dollars;
- c) it has an average net profit of not less than fifty million US dollars during the three financial years preceding the date of the application,

OR**In case the sub-account applicant is a Foreign Individual:**

- a) has a networth of not less than fifty million US dollars;
- b) holds the passport of a foreign country for a period of at least five years preceding the date of application;
- c) holds a certificate of good standing from a bank;

- d) is a client of the foreign institutional investor or any other entity which belongs to the same group as the foreign institutional investor, for a period of at least three years preceding the date of the application;

6. Undertaking

A. Undertakings to be submitted by FII

- (i) In case the sub-account applicant is a broad based fund:

"We undertake that the proprietary funds of _____ (name of FII) shall not be invested through _____ (name of the sub account applicant)."

OR

- (ii) In case the sub-account applicant is a proprietary fund of the Foreign Institutional Investor:

"We undertake that only the proprietary funds of _____ (name of FII) shall be invested through _____ (name of the sub account applicant)."

(Please Strike off which is not applicable)

B. Further declaration and undertaking:

1. We further declare that:

- a. the Foreign Institutional Investor through whom an application for registration of sub-account is made, is authorized to invest on behalf of the sub-account;
- b. the income of the applicant is from known and legitimate sources;
- c. the applicant is not a non-resident Indian.
- d. the foreign institutional investor through whom the application for registration of sub-account is made shall be responsible and liable for all acts of commission and omission of this sub-account and other deeds and things done by such sub accounts under these regulations, irrespective of whether discretion is exercised or not by the foreign institutional investor in respect of the sub-account.
- e. the above obligation of the foreign institutional investor shall, however, not be deemed to detract from any responsibility or liability which the sub account shall incur under the Regulations made by the Board or under any law for the time being in force in India.

2. We hereby agree and declare that the information provided and the undertakings given above are complete and true.
3. We further undertake that we will immediately notify the Securities and Exchange Board of India and the Reserve Bank of India of any change in the information provided.

_____ Authorized Signatory of the Sub Account Applicant		_____ Authorized Signatory of the Foreign Institutional Investor	
Name:		Name:	
Date:		Date:	

Note:

1. Securities and Exchange Board of India (SEBI) and Reserve Bank of India (RBI) reserve the right to call for any further information from the applicant regarding his application.
2. Applications along with necessary documents should be submitted at

Securities and Exchange Board of India,

Division of Foreign Institutional Investors & Custodians,

Plot No. C4-A, "G" Block,

Bandra Kurla Complex,

Mumbai-400051.

India

- (b) in Form B, item III shall be substituted with "This certificate shall be valid till it is suspended or cancelled in accordance with the regulations" ;
- (xiii) in the Second Schedule, for paragraphs (2) and (2A), the following paragraphs shall be substituted, namely:-
- "(2) A registered foreign institutional investor shall pay a fee of US \$ 10,000 for every block of three years after grant of registration during which the registration subsists.
- (2A) The fee mentioned in paragraph (2) shall be paid at least one month before expiry of the period of three years.
- (2B) In case of a foreign institutional investor who was registered as at the commencement of the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2008, the blocks of three years for the purposes of paragraph (2) shall be reckoned from the date which is three years prior to the date on which the registration or renewal granted to it prior to such commencement would have expired but for such commencement.

(2C) An application for registration as a sub-account made under regulation 12 shall be accompanied with a fee of US \$ 2,000.

(2D) A registered sub-account shall pay a fee of US \$ 2,000 for every block of three years for which the foreign institutional investor through whom it makes investment in the Indian securities market pays fees under paragraph (2).

(2E) A foreign institutional investor shall collect and pay the fees payable by all its sub-accounts within the period mentioned in paragraph (2A)."

C. B. BHAVE, Chairman

[ADVT III/4/69-ZB/2008/Exty.]

No. 11/LC/GN/2007/31/12/2007.

Footnotes:

1. The Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was published in the Gazette of India on November 14, 1995 vide S.O. No. 918 (E).
2. The Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was subsequently amended –
 - a. on October 9, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1996 vide S.O. No.702(E).
 - b. on November 19, 1996 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1996 vide S.O. No.799(E).
 - c. on February 12, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No.105(E).
 - d. on July 10, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No.495(E).
 - e. on December 5, 1997 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No.823(E).
 - f. on April 20, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No.333(E).
 - g. on May 18, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No.417(E).
 - h. on June 30, 1998 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No.545(E).
 - i. on April 16, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1999 vide S.O. No.263(E).
 - j. on August 26, 1999 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1999 vide S.O. No.688(E).

- k. on February 29, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.180(E).
- l. on March 28, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Appeal to the Securities Appellate Tribunal) (Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.278(E).
- m. on October 20, 2000 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2000 vide S.O. No.946(E).
- n. on February 13, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.128(E).
- o. on May 29, 2001 by the Securities and Exchange Board of India (Investment Advice by Intermediaries) (Amendment) Regulations, 2001 vide S.O. No.476(E).
- p. on September 27, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002 vide S.O. No.1045(E).
- q. on December 10, 2002 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2002 vide No. S.O. 1292 (E).
- r. on May 14, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2003 vide No. S.O. 548(E).
- s. on August 28, 2003 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2003 vide No S.O. 990 (E).
- t. on January 27, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2004 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/19023/2004.
- u. on February 19, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2004 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/3349/2004.
- v. on March 10, 2004 by the Securities and Exchange Board of India (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 vide S.O. No.398(E).
- w. on June 26, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. No.948(E).
- x. on August 21, 2006 by the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2006 vide S.O. 1332 (E).
- y. on January 9, 2007 Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2007 vide No. SEBI/LAD/DOP/1446/2007.
- z. on December 31, 2007 Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 2007 vide F. No. 11/LC/GM/2007/31/12/2007.

G/N/